अध्याय

05

समकालीन दक्षिण एशिया

सीखने का प्रतिफल

इस अध्याय में हम दक्षिण एशिया के देशों के बीच मौजूद संघर्ष की प्रकृति और इन देशों के आपसी सहयोग को समझने की कोशिश करेंगे।

दक्षिण एशिया का संबंध 7 देशों से है। 7 देश-जैसे-भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान एवं मालदीव।

1. दक्षिण एशिया
2. सात देश
3. दक्षिण एशिया की भौगोलिक परिधि
4. भारत
5. पाकिस्तान
6. बांग्लादेश
7. श्रीलंका
8. नेपाल
9. भूटान
10. मालदीव
11. उत्तर में विशाल हिमालय पर्वत
12. दक्षिण में हिंद महासागर
13. पश्चिम मेंअरब सागर
14. पूर्व में बंगाल की खाड़ी

दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में राजनीतिक स्थिति एक जैसी नहीं है। कहीं लोकतांत्रिक व्यवस्था है तो कहीं आज भी राजतंत्रात्मक व्यवस्था कायम है।

1. दक्षिण एशिया और लोकतंत्र
2. स्वतंत्रता के बाद भारत और श्रीलंका में लोकतंत्र सफलतापूर्वक चल रहा है।
3. लंबे संघर्ष के बाद 1971 मे बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल हुआ।
4. पाकिस्तान में सत्ता संघर्ष के बाद लगातार दो लोकतांत्रिक सरकार।
5. 2006 के बाद नेपाल में लोकतंत्र की बहाली
6. मालदीव 1968 में गणतंत्र देश बना।
7. भूटान में अभी भी राजतंत्रात्मक शासन व्यवस्था कायम है।

© JCERT not to be republished

पाकिस्तान और लोकतंत्र

पाकिस्तान में अस्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था रही है। यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेनाप्रमुख की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। समय-समय पर सेना प्रमुखों ने पाकिस्तान के प्रशासनिक व्यवस्था को अपने नियंत्रण में लिया है।

- पाकिस्तान में लोकतंत्र
- स्वतंत्रता के बाद शासन की बागडोर अयूब खान के हाथों में आया।
- शीघ्र ही उसने अपना निर्वाचन भी करा लिया।
- तानाशाही प्रवृत्ति के कारण जनता का गुस्सा भड़क गया। अतः अयूब खान को अपना पद छोड़ना पड़ा।
- जनरल याहियाखान ने शासन की बागडोर संभाली। याहियाखान के सैनिक शासन के दौरान पाकिस्तान को बांग्लादेश संकट का सामना करना पड़ा। भारत के सहयोग से 1971 ईस्वी में बांग्लादेश पाकिस्तान से स्वतंत्र हुआ।
- इसके बाद पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो के नेतृत्व में एक निर्वाचित सरकार बनी जो 1971 से 1977 तक कायम रही।
- 1977 में पुनः सैनिक शासन लागू हुआ और जनरल जिया- उल- हक ने सत्ता हासिल किया।
- 1983 -1988 ईस्वी तक जिया-उल- हक का शासन रहा 1988 में लोकतंत्र समर्थक बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में लोकतांत्रिक सरकार बनी। जो 1999 तक चलती रही।
- 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का तख्ता पलटकर बर्खास्त कर दिया। 2001 ईस्वी में उसने स्वयं को पाकिस्तान का राष्ट्रपति घोषित कर दिया। 2008 से पाकिस्तान में लोकतांत्रिक शासन जारी है।

पाकिस्तान में लोकतंत्र और सैनिक शासन के बीच प्रारंभ से ही सह-मात का खेल चलता रहा है। कभी लोकतंत्र की विजयी हुई तो कभी सैनिक शासन सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखा।

1. पाकिस्तान में लोकतंत्र के अस्थिर होने के कारण।
2. यहां सेना और धर्मगुरुओं का दबदबा पाकिस्तान की जनता पर रहा है।
3. बंटवारे के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी की स्थिति रही है।
4. सेना समर्थक समूह ज्यादा मजबूत रहा।
5. सेना समर्थक समूह का मानना है कि यहां के राजनीतिक दल और लोकतंत्र में खोट है।
6. आतंकवादी गतिविधियों की सक्रियता।

बांग्लादेश और लोकतंत्र

बांग्लादेश भारतीय उपमहाद्वीप का हिस्सा रहा है भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान के नाम से पाकिस्तान देश का अंग था। 1947 से 1971 तक बांग्लादेश पाकिस्तान का अंग बना रहा। 1971 ईस्वी में पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश एक नया देश बना। बांग्लादेश बनने की एक रोचक कहानी है।

© JCERT not to be republished

- बांग्लादेश लोकतंत्र की ओर
- पश्चिमी पाकिस्तान की सरकार के द्वारा पूर्वी पाकिस्तान अर्थात् बांग्लादेश में उर्दू भाषा लादने का प्रयास किया गया।
- कश्मीर पाकिस्तान के शोषण के खिलाफ बांग्लादेश का नेता शेख मुजीबुर रहमान ने बांग्लावासियों का नेतृत्व किया।
- शेख मुजीब उर रहमान ने पूर्वी क्षेत्र के लिए स्वायत्तता की मांग की। उनकी आवामी लीग पार्टी को 1970 के चुनाव में पूर्वी पाकिस्तान की सारी सीटें मिली।
- संपूर्ण पाकिस्तान के लिए प्रस्तावित संविधान सभा में आवामी लीग को बहुमत प्राप्त हुआ। पाकिस्तानी सरकार संविधान सभा को आहूत करने से इनकार कर दिया।
- शेख मुजीब उर रहमान गिरफ्तार हुए आहिया खान की सेना ने बंगाली आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया। बड़ी संख्या में लोगों का पलायन भारत की ओर हुआ।
- 1971 ईस्वी में भारत की सहायता से पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश के नाम से स्वतंत्र हो गया।
- बांग्लादेश ने अपना संविधान बनाया और बांग्लादेश एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक तथा समाजवादी देश बन गया।
- 1975 में सेना ने प्रधानमंत्री मुजीब- उर- रहमान के खिलाफ बगावत की। इस घटनाक्रम में शेख मुजीब सेना के हाथों मारे गए।
- नए सैनिक शासक जियाउर रहमान की "बांग्लादेश नेशनल पार्टी" बनायी और 1979 के चुनाव में विजयी रहे।
- पुनः जनरल एचएम इरशाद के नेतृत्व में यहां सैनिक शासन कायम हुआ। बाद में राष्ट्रपति बने।
- 1990 में एच.एम इरशाद को अपना पद छोड़ना पड़ा और बांग्लादेश में पुनः लोकतंत्र कायम हुआ।

नेपाल राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर

नेपाल में वर्षों से संवैधानिक राजतंत्र चला आ रहा था।

लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था ने नेपाल को भी प्रभावित किया और नेपाल लोकतंत्र की ओर अग्रसर हो गया।

- नेपाल राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर
- नेपाल में राजनीतिक पार्टी और आम जनता उत्तरदायी शासन की मांग उठाते रहे थे।
- सेना की सहायता से राजा का शासन पर पूरा नियंत्रण था।
- मजबूत लोकतंत्र समर्थक आंदोलन चलने के कारण 1990 तक नए लोकतांत्रिक संविधान की मांग राजा ने मान ली।
- 1990 ईस्वी तक अनेक हिस्सों में माओवादियों ने अपना प्रभाव जमाया।
- कुछ समय तक राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थक और माओवादियों के बीच त्रिकोणीय संघर्ष चलता रहा।

© JCERT not to be republished

2002 ईस्वी में राजा ने संसद को भंग कर दिया और सरकार गिर गई।

- 2006 ईस्वी में देशव्यापी लोकतंत्र समर्थक लोगों ने व्यापक आंदोलन किया।
- राजा ज्ञानेंद्र ने संसद को बहाल किया और संविधान बनाने के लिए संविधान सभा का गठन हुआ।
- 2008 में नेपाल में राजतंत्र समाप्त हुआ और नेपाल एक लोकतांत्रिक गणराज्य देश बन गया।

श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र

1948 ईस्वी में श्रीलंका एक स्वतंत्र देश बना लेकिन कुछ वर्षों के बाद वहां जातीय संघर्ष की शुरुआत हो गई। लंबे संघर्ष के बाद श्रीलंका में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम हुई।

- श्रीलंका और जातीय संघर्ष
- श्रीलंका के मूल निवासी सिंहली समुदाय का राजनीतिक दबदबा था।
- भारत से आए तमिल आबादी का श्रीलंका के सिंहली आबादी ने विरोध किया। उनके बीच सत्ता की साझेदारी के लिए संघर्ष शुरू हो गया।
- उपेक्षापूर्ण व्यवहार से तमिलों ने उग्र राष्ट्रवाद की नीति अपनाई और "तमिल ईलम" अर्थात एक अलग देश की मांग की।
- श्रीलंका के उत्तर पूर्वी हिस्से पर "लिट्टे" नाम के उग्रवादी संगठन का नियंत्रण था जो "तमिल ईलम" के निर्माण की मांग करते थे।

श्रीलंका और भारत संबंध

- श्रीलंका में जातीय संकट और भारत
- श्रीलंका में तमिल आबादी की उपेक्षा ने भारत सरकार को श्रीलंका की राजनीति में हस्तक्षेप करने का अवसर दिया।
- 1987 ईस्वी में भारत और श्रीलंका के बीच समझौता हुआ।
- रिश्ते को सामान्य करने के लिए भारतीय सेना को श्रीलंका भेजा गया।
- लेकिन भारतीय सेना लिट्टे के साथ संघर्ष में फंस गई। सिहली लोगों ने इसे श्रीलंका मे भारत सरकार का दखल अंदाजी समझा।
- 1989 में भारत ने अपनी शांति सेना को वापस बुला लिया।
- अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थ के रूप में नार्वे, आइसलैंड और स्कैंडिनेविया देश, तमिल और सिहलियो को बातचीत के लिए राजी किया।
- 2009 ईस्वी तक आतंकवादी संगठन लिट्टे समाप्त हो गया और श्रीलंका में लोकतंत्र कायम हो गया।

भारत पाकिस्तान संबंध

1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के साथ ही दोनों देशों के बीच विवाद बना रहा है। कभी-कभी दोनों देशों के बीच मधुर संबंध बनते हैं लेकिन अधिकांश समय विवाद ही बना रहता है।

© JCERT not to be republished

1. भारत पाक संबंध
2. कश्मीर विवाद
3. सियाचिन ग्लेशियर विवाद
4. हथियारों की होड़।
5. आतंकवाद
6. नदी जल विवाद
7. सीमा विवाद
8. आजादी के तुरंत बाद काश्मीर मसले पर संघर्ष शुरू हुआ। 1948 के युद्ध में कश्मीर के दो हिस्से हो गए। पाकिस्तान के कब्जे वाला क्षेत्र पाक अधिकृत काश्मीर कहलाया।
9. 1965 और 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए दो युद्धों के बावजूद भी काश्मीर-विवाद सुलझाया नहीं जा सका।
10. आज भी सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण को लेकर विवाद बना हुआ है।
11. मिसाइल और परमाणु बम बनाने की दोनों देशों के बीच होड़ मची हुई है।
12. शुरू से ही पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवादी गतिविधियां चलाता रहा है।
13. 1960 ईस्वी तक दोनों देशों के बीच सिंधु नदी जल बंटवारे को लेकर विवाद बना रहा। 1960 में विश्व बैंक की मदद से सिंधु जल विवाद का निपटारा किया गया।
14. कच्छ के रण में सर क्रीक सीमा विवाद बना हुआ है।

भारत बांग्लादेश संबंध

1971 ईस्वी में भारत के सहयोग से बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। इसलिए दोनों देशों के बीच कुछ विवादों को छोड़कर सामान्य रूप से मधुर संबंध रहे हैं।

- भारत-बांग्लादेश विवाद
- गंगा ब्रह्मपुत्र नदी के जल बंटवारे को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद है।
- भारत में अवैध अप्रवास का बांग्लादेश ने खंडन किया है।
- बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों ने भारत की बांग्लादेश के प्रतिनिधि का विरोध किया है।
- बांग्लादेश के प्राकृतिक गैस में सेंधमारी का आरोप भारत पर लगा।

भारत नेपाल संबंध

नेपाल शुरू से ही भारत का सहयोगी देश रहा है। भारत हमेशा नेपाल को आर्थिक मदद करता रहा है। कुछ विवादों को छोड़कर दोनों देशों के बीच मधुर संबंध रहे है।

1. भारत नेपाल संबंध
2. सहयोग पक्ष
3. विवाद पक्ष
4. बिना पासपोर्ट और वीजा के दोनों देश के लोग आ जा सकते हैं।
5. दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण, मजबूत और पुराना संबंध रहा है।

© JCERT not to be republished

6. व्यापार, बिजली उत्पादन, प्राकृतिक संसाधन और जल प्रबंधन ग्रीड के मसले पर दोनों देश एक साथ हैं।

7. व्यापार से संबंधित मनमुटाव बना हुआ है।

8. माओवादी आंदोलन को भारतीय सुरक्षा एजेंसियां भारत के लिए खतरा मानती है।

9. हाल ही में नेपाल का झुकाव चीन की ओर हुआ है।

10. नेपाल की सरकार के अनुसार भारत सरकार उनके अंदरूनी मामले में दखल दे रही है।

भारत भूटान संबंध

1. भारत -भूटान संबंध

2. दोनों देशों के बीच बहुत अच्छा संबंध रहा है।

3. भारत ने भूटान में संचालित उग्रवादी गतिविधियों को समाप्त करने में सहयोग किया।

4. दोनों देशों के बीच कई पनबिजली परियोजनाएं साझा रूप में चल रहा है।

5. भूटान को सबसे अधिक अनुदान की राशि भारत से ही प्राप्त होता है।

दक्षिण एशिया के देशों के बीच शांति सहयोग

1. शांति सहयोग संगठन

2. सार्क संगठन (1985)

3. साफ्टा संगठन (2002)

4. दक्षिण एशियाई देशों द्वारा बहुस्तरीय साधनों से आपस में सहयोग के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है।

5. दक्षिण एशियाई देशों द्वारा बहुस्तरीय साधनों से आपस में सहयोग के लिए 2002 में हस्ताक्षर किया गया। जिसमें सीमा रेखा के आर-पार मुक्त व्यापार के लिए सहमति बनी।

स्मरणीय तथ्य

- सार्क की स्थापना 1985 ईस्वी में हुई थी।
- श्रीलंका ने 1948 ईस्वी में अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त की थी
- बांग्लादेश 1971 ईस्वी में स्वतंत्र हुई थी।
- चकमा शरणार्थी समस्या भारत और बांग्लादेश के बीच है। भारत और पाकिस्तान के बीच 1972 ईस्वी में शिमला समझौता हुआ था।
- सार्क का प्रथम शिखर सम्मेलन ढाका में हुआ था।
- भारत और पाकिस्तान के बीच 1966 में ताशकंद समझौता हुआ था।
- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम लिट्टे श्रीलंका का आतंकवादी संगठन था।

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तरी

प्रश्न 1. पाकिस्तान के लोकतांत्रिकरण में कौन-कौन सी कठिनाइयां हैं?

उत्तर- पाकिस्तान के लोकतांत्रिक रन के सामने निम्नलिखित चुनौतियां हैं।

1. पाकिस्तान में सेना धर्मगुरु और भू स्वामियों का समाज पर अधिक दबदबा है।

2. भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण वहां का सैन्य शक्ति हमेशा सत्ता पर प्रभावी रहा है। उनके अनुसार पाकिस्तान के राजनीतिक दलों और लोकतंत्र में खोट है।

3. पाकिस्तान के राजनीतिक दल अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए लोकतंत्र से समझौता करते रहते हैं इसलिए आम जनता का विश्वास उठ गया है।

4. पाकिस्तान की कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था के कारण अंतर्राष्ट्रीय समर्थन भी पाकिस्तान को प्राप्त नहीं है। इसलिए सेना को अपना प्रभुत्व कायम करने के लिए बढ़ावा मिल जाता है।

5. अमेरिका तथा अन्य विकसित राष्ट्र अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए भी पाकिस्तान में लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफल होने देना नहीं चाहते हैं।

प्रश्न 2-नेपाल के लोग अपने देश में लोकतंत्र को बहाल करने में कैसे सफल हुए?

उत्तर- शुरुआत में नेपाल एक हिंदू राज था जो बाद में एक संवैधानिक राजतंत्र बना। संवैधानिक राजतंत्र के दौर में नेपाल की राजनीतिक पार्टियां और आम जनता एक उत्तरदाई शासन की आवाज उठाती रही थी लेकिन राजा ने सेना की सहायता से शासन का पूरा नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया था। 1990 के दशक में आंदोलनकारियों के प्रभाव से नए लोकतांत्रिक संविधान की मांग राजा ने मान ली। लेकिन लोकतंत्र में लोकतांत्रिक सरकारों का कार्यकाल बहुत छोटा और समस्याओं से भरा रहा। नेपाल के माओवादी अनेक हिस्सों में अपना प्रभाव जमाने में कामयाब हुए। राजा और सत्ताधारी अभिजन के खिलाफ माओवादी सशस्त्र विद्रोह करना चाहते थे। जिसके कारण राजा की सेना और माओवादियों के बीच हिंसक लड़ाई हुई राजा की सेना लोकतंत्र समर्थक और माओवादियों के बीच त्रिकोणीय हुआ। 2006 ईस्वी में नेपाल में देशव्यापी लोकतंत्र प्रदर्शन हुआ लोकतंत्र समर्थक शक्तियों ने अपनी पहली बड़ी जीत हासिल की। राजा ज्ञानेंद्र को बाध्य होकर संसद को बहाल करना पड़ा। जिसे 2002 ईस्वी में भंग कर दिया गया था। 7 पार्टियों के गठबंधन की सरकार बनी जिसमें माओवादी भी शामिल थे। नेपाल में लोकतंत्र बहाल हो गया।

प्रश्न 3-श्रीलंका के जातीय संघर्ष में किन की भूमिका प्रमुख है?

उत्तर- स्वतंत्रता के बाद से ही श्रीलंका में जातीय संघर्ष शुरू हो गया था। श्रीलंका की मुख्य जनसंख्या सिंहली है। परंतु श्रीलंका में 18% जनसंख्या तमिलों का है जो भारत से जाकर बसे हुए हैं। भारतीय मूल के निवासी मुख्य रूप से श्रीलंका के उत्तरी भाग में बसे हुए हैं। सिंहलियो का मानना है कि तमिल लोग श्रीलंका में विदेशी हैं। दोनों के संविधान की भाषा और तौर-तरीकों में भी अंतर है। सिंहली मुख्य रूप से बौद्ध धर्म को मानने वाले हैं और तमिल लोग बौद्ध धर्म को नहीं

© JCERT not to be republished

मानते हैं। दोनों के बीच मुख्य रूप से सत्ता की साझेदारी और संसाधन उपयोग के लिए संघर्ष है। 1983 ईस्वी के बाद तमिल लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जरूरी हो गया। तमिल जनसंख्या ने अपने लिए अलग राज्य तमिल ईलम की मांग रखी। इसके लिए तमिलों ने उग्रवादी संगठन लिट्टे की स्थापना की। 1996 ईस्वी तक इस उग्रवादी संगठन ने ने खूनी संघर्ष किया।

प्रश्न 4 ऐसे दो मसलों के नाम बताएं जिन पर भारत-बांग्लादेश के बीच आपसी सहयोग है और इसी तरह दो ऐसे मसलों के नाम बताएं जिन पर असहमति है।

उत्तर–भारत और बांग्लादेश के बीच कई मसलों पर आपसी सहयोग है। पिछले 20 वर्षों के दौरान दोनों के बीच आर्थिक संबंध बेहतर हुए हैं। बांग्लादेश भारत के लुक ईस्ट और 2014 से एक्ट ईस्ट नीति का हिस्सा है। इस नीति के अंतर्गत म्यांमार के जरिए दक्षिण पूर्व एशिया से जन संपर्क साधने की बात है। आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के मसले पर भी दोनों देशों................ ने निरंतर सहयोग किया है।

बांग्लादेश और भारत के बीच गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी के जल में हिस्सेदारी सहित कई मुद्दे पर मतभेद हैं। भारतीय सरकारों के बांग्लादेश से नाखुश होने के कारणों में भारत में अवैध प्रवास पर ढाका के खंडन, भारत विरोधी इस्लामी कट्टरपंथी जमातो को समर्थन इत्यादि है।

प्रश्न 5 दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संघर्षों को बाहरी शक्तियां कैसे प्रभावित करती है।

उत्तर– कोई क्षेत्र अपने को गैर क्षेत्रीय शक्तियों से अलग रखने की कितनी भी कोशिश करें उस पर बाहरी ताकतों और घटनाओं का असर पड़ता है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण एशिया की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पिछले कई वर्षों में भारत और चीन के संबंध में सुधार हुआ है। चीन की रणनीतिक साझेदारी पाकिस्तान के साथ है और यह भारत चीन संबंधों में एक बड़ी कठिनाई है। सन 1991 के बाद से इनके आर्थिक संबंध ज्यादा मजबूत हुए हैं शीत युद्ध के बाद दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभाव तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने शीत युद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों से अपने संबंधों में सुधार किया है। वह भारत-पाकिस्तान के बीच लगातार मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। दोनों देशों में आर्थिक सुधार हुए हैं। इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका भागीदारी ज्यादा गहरा हुआ है।

प्रश्न 6-दक्षिण एशिया के देशों के बीच आर्थिक सहयोग की राह तैयार करने में दक्षेस सार्क की भूमिका और सीमाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें दक्षिण एशिया की बेहतरी में दक्षेस ज्यादा बड़ी भूमिका निभा सके इसके लिए आप क्या सुझाव देंगे

उत्तर– दक्षेस सार्क दक्षिण एशियाई देशों द्वारा बहुस्तरीय साधनों से आपस में सहयोग करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। इसकी शुरुआत 1985 में हुई थी। दक्षेस के सदस्यों ने सन 2002 में दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसमें पूरे दक्षिण एशिया के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने का वादा किया गया था। यदि दक्षिण एशिया के सभी देशों की सीमा रेखा के आर-पार मुक्त व्यापार पर सहमत हो जाएं तो इस क्षेत्र में शांति और सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती

© JCERT not to be republished

हैं। दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते साफ्टा के पीछे यही भावना काम कर रही है। इस समझौते पर 2004 में हस्ताक्षर हुए और यह समझौता 1 जनवरी 2006 से प्रभावी हो गया। इस समझौते का लक्ष्य है कि इन देशों के बीच आपसी व्यापार में लगने वाली सीमा शुल्क को समाप्त किया जाए।

दुर्भाग्य से दक्षेस (सार्क) को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। जिसका प्रमुख कारण है दक्षिण एशियाई देशों के बीच आपसी सहमति नहीं बन पाई है। भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार संघर्ष बना हुआ है। साथ ही चीन और भारत के संबंध भी बहुत अच्छे नहीं हैं।

दक्षेस की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि सदस्य देशों के बीच सहयोगात्मक बर्ताव बना रहे। मुख्य रूप से भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच संबंध में कड़वाहट कम हो और सभी दक्षिण एशियाई देश आर्थिक मुद्दे पर एकमत हो।

प्रश्न 7 दक्षिण एशिया के देश भारत को एक बाहुबली समझते हैं जो इस क्षेत्र के छोटे देशों पर अपना दबदबा जमाना चाहता है और उसके अंदरूनी मामलों में दखल देता है। इन देशों को ऐसी सोच के लिए कौन-कौन सी बातें जिम्मेवार हैं?

उत्तर- दक्षिण एशिया के देशों का यह सोचना कि भारत अपना दबदबा उन पर स्थापित करना चाहता है मनोवैज्ञानिक रूप से उचित लगता है उनका यह मानना है कि भारत उनके आंतरिक मामलों में दखल देता है जैसे नेपाल को लगता है कि भारत उसको अपने क्षेत्र से होकर समुद्र तक पहुंचने से रोकता है बांग्लादेश का यह मानना है कि भारत सरकार नदी जल में भागीदारी के सवाल पर क्षेत्रीय बाहुबली की तरह व्यवहार करता है

दक्षिण एशिया के छोटे देशों की ऐसी सोच के लिए कुछ तत्व जिम्मेदार हैं जैसे

भारत का आकार अन्य दक्षिण एशिया के देशों की तुलना में काफी बड़ा है।

भारत दक्षिण एशिया के छोटे देशों की तुलना में अत्यधिक शक्तिशाली है।

भारत नहीं चाहता है कि इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो। ऐसी स्थिति में बाहरी शक्तियों को इस क्षेत्रमें प्रभाव जमाने में मदद मिलेगी। जबकि छोटे देश सोचते हैं कि भारत दक्षिण एशिया में अपना दबदबा स्थापित करना चाहता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. बांग्लादेश कब आजाद हुआ।

a. 945 b. 1947

c. 1948 d. 1971

प्रश्न 2. सार्क संगठन की स्थापना कब हुई।

a. 1990 b. 1985

c. 1995 d. 2020

प्रश्न 3. आतंकवादी संगठन लिट्टे श्रीलंका से कब समाप्त हुआ।

a. 1990 b. 2005

c. 2009 d. 2010

© JCERT not to be republished

प्रश्न 4. किस देश में सिहली- तमिल विवाद उत्पन्न हुआ था।

a. श्रीलंका b. भारत

c. पाकिस्तान d. बांग्लादेश

प्रश्न 5. इनमें से कौन दक्षिण एशिया में शामिल नहीं है।

a. भारत b. चीन

c. पाकिस्तान d. नेपाल

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. श्रीलंका को किस जातीय संघर्ष का सामना करना पड़ा?

प्रश्न 2. सिंधु जल विवाद क्या है?

प्रश्न 3. पाक अधिकृत कश्मीर क्या है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद के मुख्य कारण बताएं।

प्रश्न 2. भारत-नेपाल संबंधों की चर्चा करें।

© JCERT not to be republished